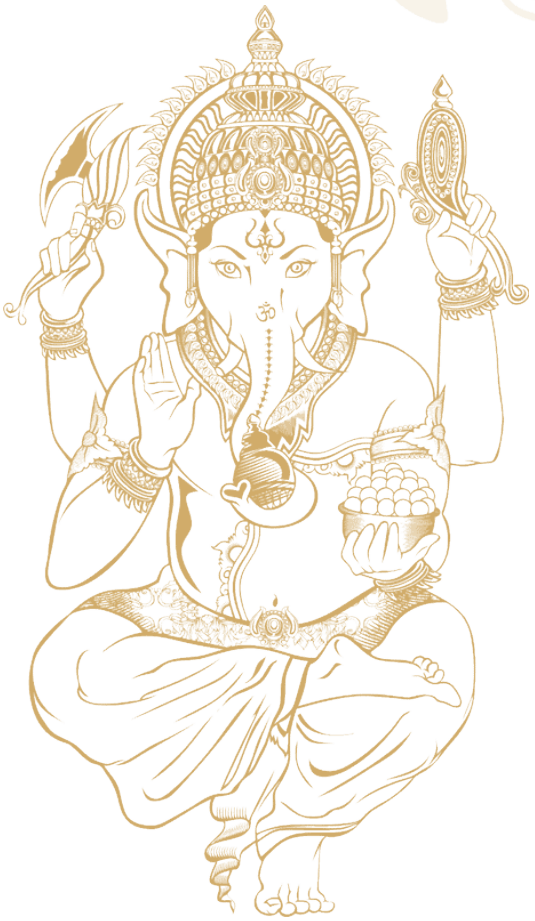

# Mr.pushpa

31 Dec 1960

01:00 AM

Madhubani

Model: web-freekundliweb

Order No: 121144810

| | |
|---|---|
| लिंग | स्त्रीलिंग |
| **जन्म तिथि** | **30-31/12/1960** |
| दिन | शुक्र-शनिवार |
| **जन्म समय** | **01:00:00 घंटे** |
| इष्ट | 45:57:11 घटी |
| **स्थान** | **Madhubani** |
| राज्य | Bihar |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 26:27:00 उत्तर |
| रेखांश | 85:08:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | 00:10:32 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 01:10:32 घंटे |
| वेलान्तर | -00:02:33 घंटे |
| साम्पातिक काल | 07:47:29 घंटे |
| सूर्योदय | 06:37:07 घंटे |
| सूर्यास्त | 17:06:57 घंटे |
| दिनमान | 10:29:49 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | उत्तरायण |
| सूर्य स्थिति(गोल) | दक्षिण |
| ऋतु | शिशिर |
| सूर्य के अंश | 15:49:15 धनु |
| लग्न के अंश | 00:39:47 तुला |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | तुला - शुक्र |
| **राशि-स्वामी** | **वृष - शुक्र** |
| **नक्षत्र-चरण** | **रोहिणी - 4** |
| नक्षत्र स्वामी | चन्द्र |
| योग | शुक्ल |
| करण | गर |
| गण | मनुष्य |
| योनि | सर्प |
| नाड़ी | अन्त्य |
| वर्ण | वैश्य |
| वश्य | चतुष्पाद |
| वर्ग | मृग |
| युँजा | पूर्व |
| हंसक | भूमि |
| जन्म नामाक्षर | वू-वूली |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | लौह - स्वर्ण |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | मकर |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | तुला | 00:39:47 | 319:09:28 | चित्रा | 3 | 14 | शुक्र | मंगल | बुध | --- |
| सूर्य | | | धनु | 15:49:15 | 01:01:08 | पूर्वाषाढ़ा | 1 | 20 | गुरु | शुक्र | सूर्य | मित्र राशि |
| चंद्र | | | वृष | 22:11:32 | 12:07:27 | रोहिणी | 4 | 4 | शुक्र | चंद्र | शुक्र | मूलत्रिकोण |
| मंगल | व | | मिथु | 15:16:52 | 00:23:45 | आर्द्रा | 3 | 6 | बुध | राहु | शुक्र | शत्रु राशि |
| बुध | | अ | धनु | 12:13:22 | 01:35:12 | मूल | 4 | 19 | गुरु | केतु | बुध | सम राशि |
| गुरु | | अ | धनु | 20:30:14 | 00:13:56 | पूर्वाषाढ़ा | 3 | 20 | गुरु | शुक्र | गुरु | स्वराशि |
| शुक्र | | | कुंभ | 00:36:48 | 01:08:49 | धनिष्ठा | 3 | 23 | शनि | मंगल | बुध | मित्र राशि |
| शनि | | अ | धनु | 26:07:58 | 00:07:02 | पूर्वाषाढ़ा | 4 | 20 | गुरु | शुक्र | केतु | सम राशि |
| राहु | व | | सिंह | 14:47:48 | 00:11:30 | पू०फाल्गुनी | 1 | 11 | सूर्य | शुक्र | शुक्र | शत्रु राशि |
| केतु | व | | कुंभ | 14:47:48 | 00:11:30 | शतभिषा | 3 | 24 | शनि | राहु | केतु | शत्रु राशि |
| हर्ष | व | | सिंह | 02:05:56 | 00:01:33 | मघा | 1 | 10 | सूर्य | केतु | शुक्र | --- |
| नेप | | | तुला | 17:29:59 | 00:01:23 | स्वाति | 4 | 15 | शुक्र | राहु | सूर्य | --- |
| प्लूटो | व | | सिंह | 14:42:45 | 00:00:38 | पू०फाल्गुनी | 1 | 11 | सूर्य | शुक्र | शुक्र | --- |
| दशम भाव | | | कर्क | 01:37:06 | -- | पुनर्वसु | -- | 7 | चंद्र | गुरु | राहु | -- |

व - वक्री  स - स्थिर

अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

**चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:18:38

## लग्न-चलित

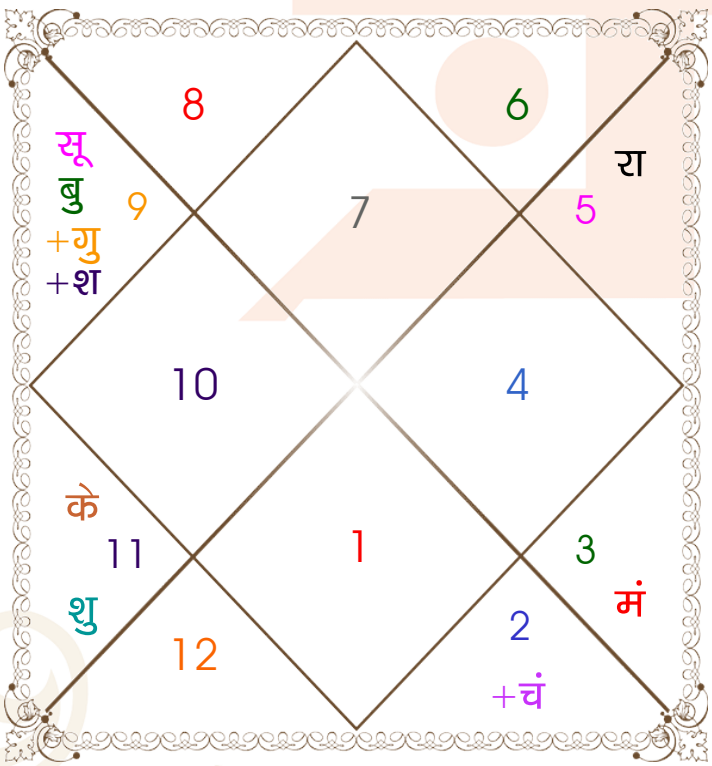


## चन्द्र कुंडली

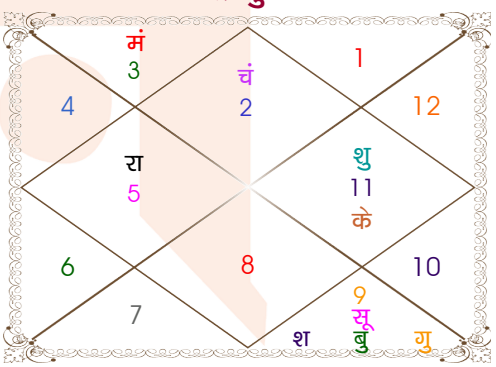


## नवमांश कुंडली

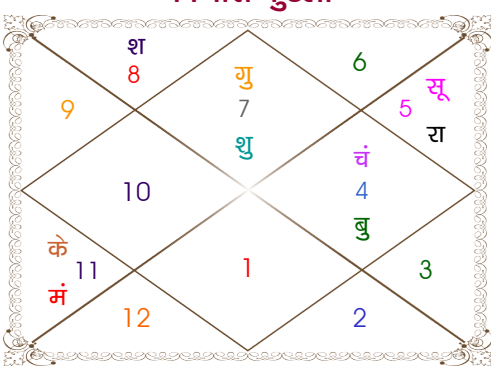

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : चन्द्र 0 वर्ष 10 मास 8 दिन

| चंद्र 10 वर्ष | | मंगल 7 वर्ष | | राहु 18 वर्ष | | गुरु 16 वर्ष | | शनि 19 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 31/12/1960 | | 08/11/1961 | | 08/11/1968 | | 08/11/1986 | | 08/11/2002 | |
| 08/11/1961 | | 08/11/1968 | | 08/11/1986 | | 08/11/2002 | | 08/11/2021 | |
| | 00/00/0000 | मंगल | 06/04/1962 | राहु | 22/07/1971 | गुरु | 27/12/1988 | शनि | 11/11/2005 |
| | 00/00/0000 | राहु | 25/04/1963 | गुरु | 15/12/1973 | शनि | 10/07/1991 | बुध | 21/07/2008 |
| | 00/00/0000 | गुरु | 31/03/1964 | शनि | 21/10/1976 | बुध | 15/10/1993 | केतु | 30/08/2009 |
| | 00/00/0000 | शनि | 10/05/1965 | बुध | 10/05/1979 | केतु | 21/09/1994 | शुक्र | 30/10/2012 |
| | 00/00/0000 | बुध | 07/05/1966 | केतु | 28/05/1980 | शुक्र | 22/05/1997 | सूर्य | 12/10/2013 |
| | 00/00/0000 | केतु | 03/10/1966 | शुक्र | 28/05/1983 | सूर्य | 10/03/1998 | चंद्र | 13/05/2015 |
| | 31/12/1960 | शुक्र | 03/12/1967 | सूर्य | 21/04/1984 | चंद्र | 10/07/1999 | मंगल | 21/06/2016 |
| शुक्र | 10/05/1961 | सूर्य | 09/04/1968 | चंद्र | 21/10/1985 | मंगल | 15/06/2000 | राहु | 28/04/2019 |
| सूर्य | 08/11/1961 | चंद्र | 08/11/1968 | मंगल | 08/11/1986 | राहु | 08/11/2002 | गुरु | 08/11/2021 |

| बुध 17 वर्ष | | केतु 7 वर्ष | | शुक्र 20 वर्ष | | सूर्य 6 वर्ष | | चंद्र 10 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 08/11/2021 | | 08/11/2038 | | 08/11/2045 | | 08/11/2065 | | 09/11/2071 | |
| 08/11/2038 | | 08/11/2045 | | 08/11/2065 | | 09/11/2071 | | 00/00/0000 | |
| बुध | 06/04/2024 | केतु | 07/04/2039 | शुक्र | 10/03/2049 | सूर्य | 26/02/2066 | चंद्र | 08/09/2072 |
| केतु | 03/04/2025 | शुक्र | 06/06/2040 | सूर्य | 10/03/2050 | चंद्र | 27/08/2066 | मंगल | 09/04/2073 |
| शुक्र | 02/02/2028 | सूर्य | 11/10/2040 | चंद्र | 09/11/2051 | मंगल | 02/01/2067 | राहु | 09/10/2074 |
| सूर्य | 08/12/2028 | चंद्र | 13/05/2041 | मंगल | 08/01/2053 | राहु | 27/11/2067 | गुरु | 08/02/2076 |
| चंद्र | 10/05/2030 | मंगल | 09/10/2041 | राहु | 09/01/2056 | गुरु | 14/09/2068 | शनि | 08/09/2077 |
| मंगल | 07/05/2031 | राहु | 27/10/2042 | गुरु | 09/09/2058 | शनि | 27/08/2069 | बुध | 08/02/2079 |
| राहु | 23/11/2033 | गुरु | 03/10/2043 | शनि | 08/11/2061 | बुध | 04/07/2070 | केतु | 09/09/2079 |
| गुरु | 29/02/2036 | शनि | 11/11/2044 | बुध | 08/09/2064 | केतु | 08/11/2070 | शुक्र | 31/12/2080 |
| शनि | 08/11/2038 | बुध | 08/11/2045 | केतु | 08/11/2065 | शुक्र | 09/11/2071 | | 00/00/0000 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 0 वर्ष 10 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में उच्चाभिलाषी वर्गानुसार जन्म लग्न तुला के उदय काल हुआ था। तुला नवमांश एवं तुला द्रेष्काण के उदय कालीन प्रभाव वर्गोत्तम दशा में अनेकानेक शुभ संकेतों का सृजन कर रहा है। फलस्वरूप आप आरामदायक, उच्च आनन्द प्रदायक जीवन का प्रसन्नता युक्त सुखपूर्वक समय व्यतीत करेंगी।

यह सुनिश्चित है कि आप अपनी अभिरूचि के अनुसार अपने जीवन साथी अर्थात् अपने पति की चयन करेंगी। आप कामुक प्राणी है। इस प्रभाव से आप अपना अधिक समय प्रेम-प्रसंग के चिंतन तथा प्रेम संबंध स्थापित करने में व्यतीत करेंगी। आप उच्च स्तर की भावुक प्राणी है। आप अपने साथी को हार्दिक प्यार करती हो तथा अनुग्रहपूर्वक वासनात्मक प्रवृत्ति से व्यवहार करती हों। आप पूर्ण रूपेण अपने साथी के प्रति समर्पित प्राणी हैं। यदि आपका संगी आपकी अभिरूचि के अनुरूप अथवा आशा के अनुकूल आचरण नहीं करता है तो दोनों के समक्ष संबंधित समस्याएं उत्पन्न हो जाती है। जब आप भी अपने साथी को कुछ उपहार नहीं देती हो लेकिन सामंजस्य स्थापित करने के प्रति कार्यरत हो जाती हैं। आप अपने स्वाभावानुकूल उस व्यक्ति के साथ तारतम्य स्थापित कर सकेंगी, जिनकी राशि मिथुन हो अथवा कुंभ राशि में जन्म हुआ हो। आप यह निश्चित मान कर चले कि आपका मेल मीन मकर एवं कर्क राशि अर्थात् जलीय गुणयुक्त प्राणी से असंभव है।

आपका रंग रूप उत्तम एवं पूर्ण विकसित शरीर होगा। आप पूर्ण युवा शक्ति संपन्न होंगी। परिणामस्वरूप आपके मित्र संबंधित एवं व्यवसायिक मित्रों के मध्य प्रख्यात होंगे। आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप अपने व्यक्तित्व का प्रयोग कर अपनी अच्छी पहचान जन सामान्य की दृष्टि में बनाकर, लाभ प्राप्ति के क्षेत्र में उच्च स्तर प्राप्त करेंगी।

फलस्वरूप आप थोक धन की आय करेंगी तथा बहुतायत में खर्च भी करेंगी। आप यदा कदा बेतुकी बात करके आनन्द प्राप्त करेंगी। आपमें विभिन्न आकर्षण विद्यमान है। आप मुक्त हस्त से धन का व्यय करती हैं। आप सदैव सहृदयता पूर्वक धन का कुछ अंश व्यय करने के लिए उद्यत रहती हैं। आप किसी भी प्रकार की करूण कथा सुन कर यदा कदा किसी को भी मुक्त हस्त से आर्थिक सहयोग करती हैं।

कुछ व्यक्ति आपकी इस प्रकार की उदारतापूर्ण व्यवहार एवं भाव वृद्धि को अनुपयुक्त समझकर आपको अज्ञानी समझते हैं। अतः आप इस प्रकार की उदारतापूर्ण प्रवृत्ति के प्रति अपने विचारों को मोड़ने की शिक्षा ग्रहण करें।

सभी मिला जुलाकर आप बहुत अच्छी एवं सौम्य महिला हैं। परन्तु यदा-कदा किसी भी सुअवसर पर आप अपने धैर्य की अवनति कर सकती हैं तथा आप प्रतिशोध ले सकती हैं। आपको अपनी इस प्रवृत्ति पर भली प्रकार प्रतिरोध लगाना होगा। अन्यथा आपकी छवि पर कोई कलंक लग सकता है।

आप सौभाग्यवश शारीरिक रूप से स्वस्थ एवं निरोग रहेंगी। आप अपनी

मध्यावस्था तक अपने शारीरिक वृद्धि की प्रवृत्ति के प्रत्ति विमुख रहें। उत्तम तो यह है कि आप अधिक भोजन पर अश्रित न रहें तथा भोजन पर नियंत्रण रखें। संप्रति आप किसी प्रकार के रोग से संक्रमित तथा अधीन हो सकती हैं। आप किडनी के रोग एवं मूत्र संबंधी रोग के प्रति सतर्क रहे। आपके लिए यह निर्देश है कि आप अपने घर पर अपने मित्रों के साथ कोई व्रण क्षत के शिकार हो सकते हैं। आपको इस बात के प्रति अनुभव अर्थात् पश्चात करना चाहिए कि बिना मित्र के सहयोग से आपके लिए दायित्व को पूरा करना सहज बात नहीं है।

आपके लिए सेवा व्यवसायों में उपयुक्त एवं प्रभावी कार्य सामाजिक जीवन का नेतृत्व अति अनुकूल प्रतीत होता है। आप गर्वनमेंट सेवक एवं अधिकारी के साथ लोक माध्यम का कार्य करें तो अच्छा है। यदि आप अनुमोदन करे तो आप स्वयं रासायनिक व्यवसाय तरल पदार्थों का व्यवसाय जैसे तेल-धृत आदि अथवा इसके अतिरिक्त आप विधिवेत्ता (वकील) अर्किटेक्ट विक्रय प्रतिनिधि, लेखक गायन वाद्य यंत्रवादक, पार्श्व गायक के साथ-साथ आप राजनीति से भी स्रोत स्थापित रख सकती हैं।

आपके लिए रंगों में उत्कृष्ट नारंगी एवं लाल रंग शुभकारक एवं भाग्यवर्द्धक है। आप पीला एवं हरे रंगों का त्याग कर दें।

आपके लिए अंको में 8 अंक उत्तम एवं धनोपार्जन अथवा धन निवेश हेतु अनुकूल है। साथ ही अंक 1, 2, 4 और 7 अंक सर्वथा अनुकूल है। परन्तु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए प्रतिकूल अंक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।